ई-संस्करण, अंक 16

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

हेलो दोस्तों,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। आपको इ गपशप कैसी लगी? मजा आ रहा है ना! हमे आशा है आप इनका आनंद अपने परिवार के साथ मिलकर ले रहे है। इन्हें पढ़ कर अपने विचार, प्रतिक्रिया और भावनाए हमसे जरुर साँझा करे। और हा इनको अपने दोस्तों और परिवार से साँझा करना ना भूले, जिससे आपके साथ साथ वह भी इन्हें पढ़ सके।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

आपकी चुलबुली और बुलबुली

भारतीय सेना में महिला की बदलती भूमिका

1994 में पहली बार भारतीय बायु सेना ने महिलाओं को परिवहन और हेलीकाप्टर पायलट के रूप में शामिल करना शुरू किया। इससे पहले महिलाएं वायु यातायात नियंत्रण, तकनीकी, मौसम विज्ञान, प्रशासन इत्यादि विभागों में काम करती थी। जीवन के कठिन मोर्चों पर अपनी दृढ़ता का परिचय देने वाली भारतीय महिलाएँ अब लड़ाकू विमान भी चलाएंगी। यह विमान भारतीय सेना द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

इस विमान को चलाने के लिए शारीरिक और मानसिक बल की जरूरत होती है और इसलिए ऐसा माना जाता था कि यह काम सिर्फ पुरुष ही कर सकते हैं। परंतु भारतीय वायुसेना के 83वें स्थापना दिवस पर वायुसेना प्रमुख ने घोषणा की कि भारतीय वायु सेना में जल्द ही महिला पायलट लड़ाकू विमान उड़ाती दिखेंगी। इस घोषणा के कुछ ही दिनों के अंदर भारत सरकार ने भी इसकी अनुमति दे दी। अब तक भारतीय वायु सेना में महिलाएँ केवल ट्रांसपोर्ट विमान और हेलीकाप्टर उड़ाती थीं। पर महिला फाइटर पायलटों को भर्ती करने वाला भारत पहला देश नहीं है। बल्कि भारत ने तो यह कदम बहुत देर से उठाया है। 90 के दशक से विश्व की ज्यादातर देशों ने अपनी सेनाओं में महिला फाइटर पायलटों की भर्ती शुरू कर दी थी। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी 2013 में आयशा फारुख वहाँ की पहली महिला फाइटर पायलट बनीं। पर इसका यह मतलब नहीं है कि 90 के दशक से पहले कोई महिला फाइटर पायलट हुई ही नहीं। पहले और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कई महिलाओं ने लड़ाकू विमान उड़ाए, और कुछ तो लड़ते–लड़ते शहीद भी हुईं।

उड़न खटोला बनाऐं और मजें से उड़ाएं

अच्छा साथियों, तुम सबने कागज़ का हवाई जहाज़ तो बनाया ही होगा। जानते हो उड़न खटोले क्या होता है नहीं मालूम, चलो मैं बताती हूँ। उड़न खटोला एक ग्लाइडर है, यानी बिना इंजन का हवाई जहाज़। आज मैं आपको उड़न खटोला बनाना सिखाऊँगी। हमें चाहिए–

एक मजबूत कागज | स्केल | कैंची | पेंसिल | प्लास्टिक की स्ट्रॉ | गोंद | सेलो टेप

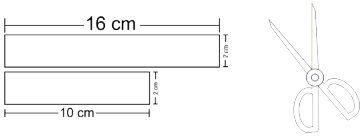

1 सबसे पहले कागज की दो पट्टियाँ काटो– पहली पट्टी का आकार 2 गुना 16 सेंटीमीटर। दूसरी पट्टी का आकार 2 गुना 10 सेंटीमीटर।

2 अब स्ट्रॉ को 5 सेंटीमीटर नापकर एक टुकड़ा काट लो।

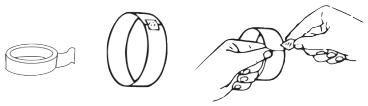

3 अब कागज की छोटी पट्टी के सिरे को आपस में एक दूसरे चिपका दो।
इसी तरह बड़ी पट्टी का भी एक छल्ला बनओ।

4 अब सेलो टेप से छोटे छल्ले को स्ट्रॉ के एक सिरे पर चिपका दो। अब बड़े छल्ले को स्ट्रॉ के दूसरे सिरे पर चिपका दो। ध्यान रहे, दोनों छल्ले एक ही सीध में होने चाहिए। लो, हो गया हमारा उड़न खटोला तैयार।

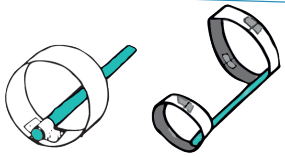

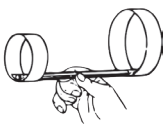

5 अब बताओ इसे उड़ाएँगे कैसे?
उड़न खटोले को उड़ाने के लिए उसका छोटा छल्ला आगे करके उसे हल्का से आगे को फेंको। फिर पता है क्या होगा यह हवा को चीरते हुए आगे जाएगा और फिर हल्के–हल्के नीचे आएगा।

उड़ान को जाँचें

अगर उड़न खटोला थोड़ा लड़खड़ाता है तो शायद दोनों छल्ले सीध में नहीं हैं। देखो और दोनों छल्ले को सीधा करो। अच्छी उड़ान के लिए इसे वहाँ उड़ाओ जहाँ हवा शांत हो।
अब तुम्हारे लिए एक सवाल! तुम्हें यह पता करना है कि अगर उड़न खटोले को आगे फेंकते समय बड़ा छल्ला आगे हो तो उड़ान में क्या होगा।
जो भी हो मुझे ख़त में लिखकर बताना आशा करती हूँ कि तुम सब छुट्टियों में उड़न खटोला बनाकर उड़ाने का भरपूर आनन्द उठाओगी।